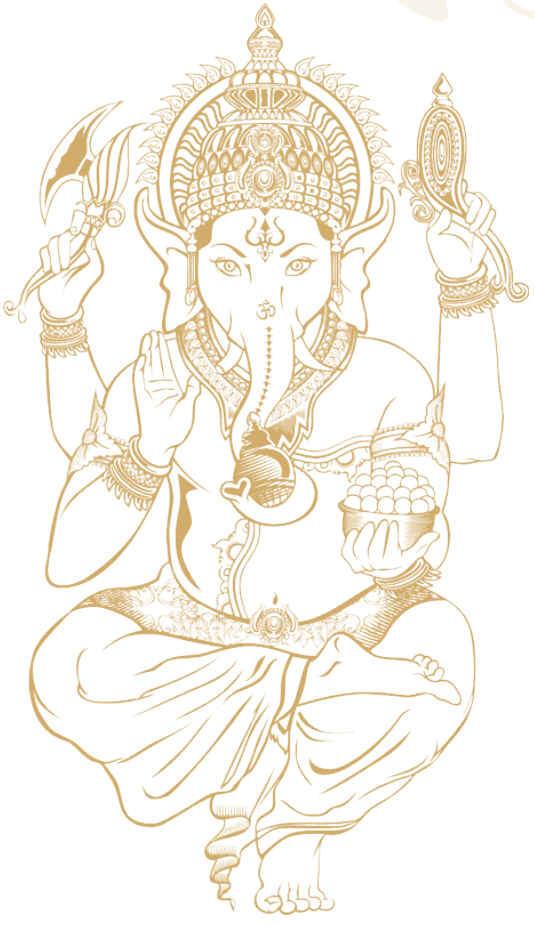

# Richa (Amrita)

01 Mar 1994

05:53 PM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121637005

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **01/03/1994** |
| दिन | मंगलवार |
| **जन्म समय** | **17:53:00 घंटे** |
| इष्ट | 29:10:51 घटी |
| **स्थान** | **Muzaffarpur** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 26:07:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:23:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:11:32 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 18:04:32 घंटे |
| वेलान्तर | -00:12:27 घंटे |
| साम्पातिक काल | 04:40:50 घंटे |
| सूर्योदय | 06:12:39 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:49:29 घंटे |
| दिनमान | 11:36:50 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 16:54:28 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 18:28:58 सिंह |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **तुला - शुक्र** |
| **नक्षत्र-चरण** | **चित्रा - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | मंगल |
| योग | वृद्धि |
| करण | बालव |
| गण | राक्षस |
| योनि | व्याघ्र |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | री-रीतिका |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | सिंह | 18:28:58 | 321:56:53 | पू०फाल्गुनी | 2 | 11 | सूर्य | शुक्र | राहु | --- |
| सूर्य | | | कुंभ | 16:54:28 | 01:00:12 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | तुला | 04:47:45 | 14:39:33 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | | | कुंभ | 01:32:45 | 00:47:10 | धनिष्ठा | 3 | 23 | शनि | मंगल | बुध | सम राशि |
| बुध | व | | मक | 29:37:39 | 00:25:37 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | शनि | सम राशि |
| गुरु | व | | तुला | 20:52:30 | 00:00:10 | विशाखा | 1 | 16 | शुक्र | गुरु | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | कुंभ | 27:23:17 | 01:14:51 | पू०भाद्रपद | 3 | 25 | शनि | गुरु | शुक्र | मित्र राशि |
| शनि | | अ | कुंभ | 10:00:36 | 00:07:16 | शतभिषा | 2 | 24 | शनि | राहु | गुरु | मूलत्रिकोण |
| राहु | व | | वृश्चि | 03:09:24 | 00:04:00 | विशाखा | 4 | 16 | मंगल | गुरु | राहु | शत्रु राशि |
| केतु | व | | वृष | 03:09:24 | 00:04:00 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | सम राशि |
| हर्ष | | | मक | 01:06:09 | 00:02:44 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | राहु | --- |
| नेप | | | धनु | 28:46:04 | 00:01:40 | उत्तराषाढ़ा | 1 | 21 | गुरु | सूर्य | मंगल | --- |
| प्लूटो | व | | वृश्चि | 04:17:36 | 00:00:00 | अनुराधा | 1 | 17 | मंगल | शनि | शनि | --- |
| दशम भाव | | | वृष | 17:57:14 | -- | रोहिणी | -- | 4 | शुक्र | चंद्र | बुध | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:47

## लग्न-चलित

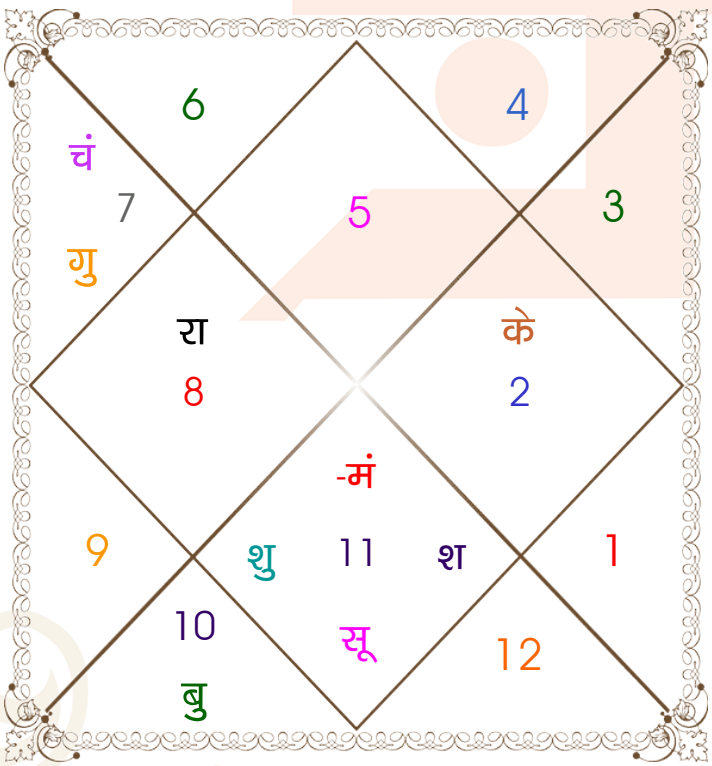


## चन्द्र कुंडली

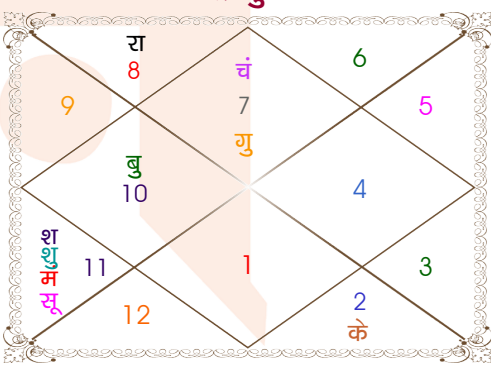


## नवमांश कुंडली

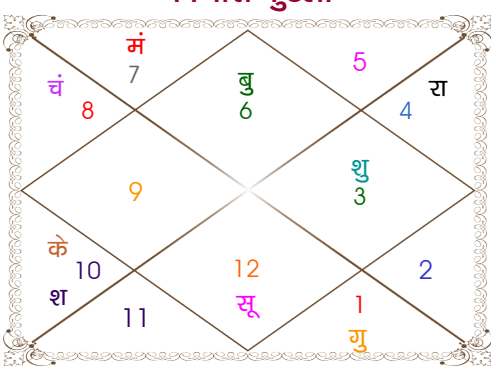

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 11 मास 23 दिन

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01/03/1994 | | 23/02/1995 | | 22/02/2013 | | 22/02/2029 | | 23/02/2048 | |
| 23/02/1995 | | 22/02/2013 | | 22/02/2029 | | 23/02/2048 | | 22/02/2065 | |
| | 00/00/0000 | राहु | 05/11/1997 | गुरु | 13/04/2015 | शनि | 26/02/2032 | बुध | 22/07/2050 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 31/03/2000 | शनि | 24/10/2017 | बुध | 05/11/2034 | केतु | 19/07/2051 |
| | 00/00/0000 | शनि | 05/02/2003 | बुध | 30/01/2020 | केतु | 15/12/2035 | शुक्र | 19/05/2054 |
| | 00/00/0000 | बुध | 24/08/2005 | केतु | 05/01/2021 | शुक्र | 14/02/2039 | सूर्य | 25/03/2055 |
| | 00/00/0000 | केतु | 12/09/2006 | शुक्र | 06/09/2023 | सूर्य | 27/01/2040 | चंद्र | 24/08/2056 |
| | 01/03/1994 | शुक्र | 11/09/2009 | सूर्य | 24/06/2024 | चंद्र | 27/08/2041 | मंगल | 21/08/2057 |
| शुक्र | 19/03/1994 | सूर्य | 06/08/2010 | चंद्र | 24/10/2025 | मंगल | 06/10/2042 | राहु | 09/03/2060 |
| सूर्य | 25/07/1994 | चंद्र | 05/02/2012 | मंगल | 30/09/2026 | राहु | 12/08/2045 | गुरु | 15/06/2062 |
| चंद्र | 23/02/1995 | मंगल | 22/02/2013 | राहु | 22/02/2029 | गुरु | 23/02/2048 | शनि | 22/02/2065 |

| केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 22/02/2065 | | 23/02/2072 | | 23/02/2092 | | 23/02/2098 | | 24/02/2108 | |
| 23/02/2072 | | 23/02/2092 | | 23/02/2098 | | 24/02/2108 | | 00/00/0000 | |
| केतु | 22/07/2065 | शुक्र | 25/06/2075 | सूर्य | 12/06/2092 | चंद्र | 24/12/2098 | मंगल | 22/07/2108 |
| शुक्र | 21/09/2066 | सूर्य | 24/06/2076 | चंद्र | 11/12/2092 | मंगल | 25/07/2099 | राहु | 10/08/2109 |
| सूर्य | 27/01/2067 | चंद्र | 23/02/2078 | मंगल | 18/04/2093 | राहु | 24/01/2101 | गुरु | 17/07/2110 |
| चंद्र | 28/08/2067 | मंगल | 25/04/2079 | राहु | 13/03/2094 | गुरु | 26/05/2102 | शनि | 26/08/2111 |
| मंगल | 24/01/2068 | राहु | 25/04/2082 | गुरु | 30/12/2094 | शनि | 25/12/2103 | बुध | 22/08/2112 |
| राहु | 10/02/2069 | गुरु | 24/12/2084 | शनि | 12/12/2095 | बुध | 26/05/2105 | केतु | 18/01/2113 |
| गुरु | 17/01/2070 | शनि | 23/02/2088 | बुध | 18/10/2096 | केतु | 25/12/2105 | शुक्र | 02/03/2114 |
| शनि | 26/02/2071 | बुध | 24/12/2090 | केतु | 22/02/2097 | शुक्र | 26/08/2107 | | 00/00/0000 |
| बुध | 23/02/2072 | केतु | 23/02/2092 | शुक्र | 23/02/2098 | सूर्य | 24/02/2108 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 11 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।